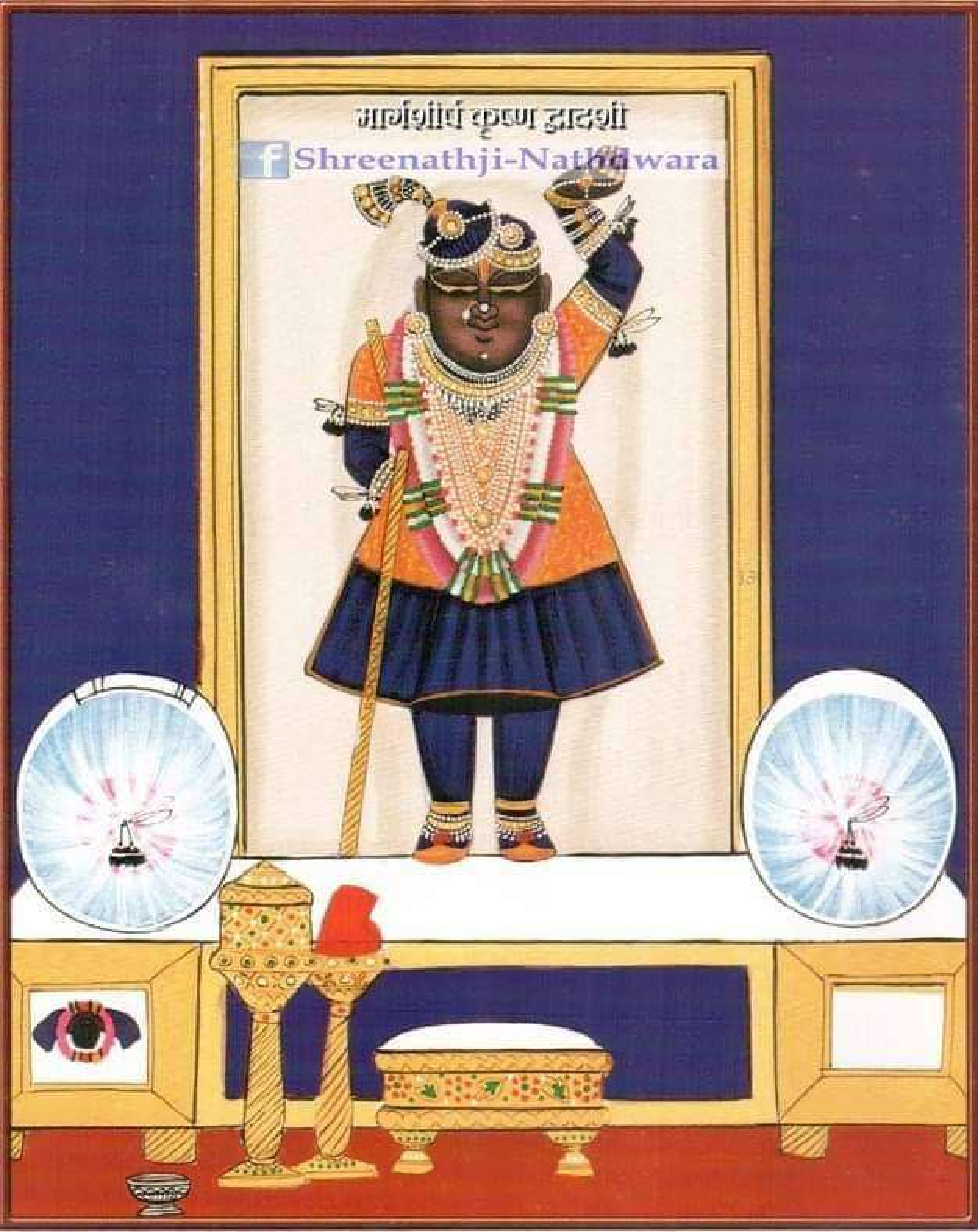
मार्गशीर्ष कृष्ण द्वादशी

सादी पाग

पाग जो रंग के वस्त्र धरे हो वो रंग की आवे

सादी पाग नित्य धर के पोढे

सादी पाग मलमल,छापा,चुनरी,लेहरिया ,छिंट,वसंती की आवे

साटीन,मलमल के वस्त्र के साथ मलमल की धरे
छापा के वस्त्र साथ छापा की धरे
चुनरी के वस्त्र साथ चुनरी की
लेहरिया के वस्त्र साथ लेहरिया की
छिंट के वस्त्र साथ छिंट की
वसंती के साथ वसंती

छापा,चुनरी,लेहरिया,छिंट,वसंती की सादी पाग मे तुई लेश नही आवे

मलमल की सादी पाग उष्णकाल मे तुई लेश बिना की आवे
शितकाल ,वर्षाकाल मे तुई लेश धर सके

कई कई जगह शितकाल,वर्षाकाल मे भी तुई लेश बिना की ही आती हे

सेन मे सादी पाग तुई लेश बिना की ही धर के पोढते हे

सादी पाग पे मुगट , जडावटीपारा ,शेहरा,विविध कतरा ,चन्द्रिका धरे

गोल पाग

गोल पाग मलमल ,चुनरी ,लेहरिया ,छापा ,वसंती ,छिंट की होय

गोल पाग पे विविध कतरा ,विविध प्रकार की चन्द्रिका धरे

मलमल की गोल पाग तुई लेश बीना की उष्णकाल मे धरे

तुई लेश वाली शितकाल वर्षाकाल मे धरे

(कई जगह शितकाल वर्षाकाल मे भी तुई लेश बिना की ही आवे
केवल ज़री के वस्त्र के साथ तुई लेश वाली धरे)

चुनरी ,लेहरिया ,छापा,वसंती ,छिंट की गोल पाग मे तुई लेश नही आवे

गोल पाग धर के पोढे

श्रीगोकुलचन्द्रमाजी विशेष नित्य मे गोल पाग धरे

ऐक छोर (तुर्रा) वाली पाग

ऐक छोर वाली पाग मलमल,चुनरी,लेहरिया,छापा ,
वसंती,छिंट की होय

मलमल की पाग तुई लेश बिना की उष्णकाल मे धरे ,
शितकाल -वर्षाकाल मे तुई लेश वाली धरे

चुनरी ,लेहरिया ,छापा ,वसंती ,छिंट की पाग मे तुई लेश नही आवे

इसके साथ विविध चन्द्रिका ,कतरा धरे

इसके साथ श्रीकर्ण मे कर्णफूल धरे

पोढे तब बडी हो जाये सादी पाग धरे

फेटा

फेटा मलमल ,चुनरी ,लेहरिया ,वसंती होय
फेटा उष्णकाल मे तुई-लेस बिना के धरे

फेटा पे मोरसिखा ,कतरा,चन्द्रिका धरे
(टीपारा के साज भी धरे पर दाया य़ा बाया कतरा ओर बीच की चन्द्रिका , पूरा साज नही)

फेटा के संग श्री कर्णमे लोलकबंधी कर्णफूल धरे

फेटा पोढे तब बडे हो जाये सादी पाग धर के पोढे

ग्वालपाग - पगो

ग्वाल पाग मलमल की ज्यादा धरे उष्णकाल मे तुई लेश बिना के धरे

वर्षाकाल शितकाल मे तुई वाली धरे

ग्वालपाग पे मोरसीखा ,चन्द्रिका धरे

इसके साथ श्रीकर्ण मे कर्णफूल धरे

ग्वालपाग पोढने मे बडी होय सादी पाग धरे

दुमाला

दुमाला पे विशेष शेहरा धरे ,कतरा चन्द्रिका भी धर सके

दुमाला ज्यादा मलमल के होय

तुई लेश वाले शितकाल मे कई बार वर्षाकाल मे भी धरे
उष्णकाल मे तुई लेश बिना के धरे

दुमाला पे शेहरा धरे तब श्रीकर्ण मे मतस्याक्रूत कुंडल धरे
ओर दुमाला पे कतरा य़ा कोई चन्द्रिका धरे तब श्रीकर्ण मे कर्णफूल धरे

दुमाला पोढने मे बडे हो जाये सादी पाग धरे

कुलहे

कुलहे उत्सव मे धरे

कुलहे के साथ चन्द्रिका की जोड धरे
छोटे उत्सव मे कुलहे के साथ घेरा धरे

कुलहे के साथ मकराकूत कुंडल धरे

कुलहे मलमल की होय ,छापा के वस्त्र साथ छापा की धरे
दिवाली पे ज़री की धरे

कई कई रित मे चुनरी की भी आवे (रित के अनुसार धरे)

उत्सव के दुसरे दिन जब फीर से कुलहे धरानी हो तो प्रभु कुलहे धर के ही पोढे
(चन्द्रिका की जोड बडी हो जाये)
ओर कुलहे पे ऐक नगी सिरपेच (ताइत) धरे

बाकी जब जब भी कुलहे धरे तब पोढे तब बडी होय ओर सादी पाग धरे

टीपारा की टोपी -वस्त्र के टीपारा

टीपारा की टोपी ज्यादातर मलमल की होय

उष्णकाल मे तुई बिना की आवे

टीपारा की टोपी के उपर टीपारा के साज धरे

टीपारा की टोपी के साथ श्रीकर्ण मे मयूराक्रूत कुंडल आवे

टीपारा की टोपी पिछोडा ,मल्लकाछ के साथ धरे (उष्णकाल,वर्षाकाल)
शितकाल मे चाकदार बागा के साथ धरे

पोढे तब बडे हो के सादी पाग धरे

गोकर्ण

गोकर्ण लाल ज़री के होय

अननकोट के दिन ओर अक्षय नवमी के दिन धरे कुलहे जोड के साथ धरे

छप्पन भोग के शींगार मे भी धरे
(टीपारा की टोपी उसपे गोकर्ण उसपे घेरा)
अपनी रित के अनुसार धरे

चीरा पाग

चीरा पाग ज़री के वस्त्र के साथ धरे

सुनेरी ,रूपेरी होय अलग अलग रंग की भी होय
लाल,पिली,हरि

चीरा पाग पोढे तब बडी होय सादी मलमल की धरे

मोती की पाग ,दुमाला ,कुलहे ,फेटा ,ग्वालपाग,गोलपाग

ये सभी उष्णकाल मे मोती के पिछोडा,आडबंध,धोती-उपरना,
मल्लकाछ,परदनी के साथ धरे

लालन को मोती की ओढनी के साथ आवे

मोती की सभी पाग पोढे तब बडी हो जाये कोमल मलमल की धरे

हर घर की रित अलग अलग हे

कई जगह फेटा के साथ कुंडल धरे

कई जगह छोर **(**तुर्रा**)** वस्त्र के नही आवे जडाव आवे
केवल होली खेल के दिन ही वस्त्र के आवे

ये श्रीनाथजी की रित मे से लिख्यो हे

अपने गुरु घर की प्रणालीका के हिसाब से धरे

सादी पाग मलमल की
सुनेरी-रूपेरी तूई वाली सादी पाग

लेहरीया की सादी पाग

चुनरी की सादी पाग

वसंती सादी पाग
होली खेल मे

विविध मगजी की सादी पाग

होली खेल मे

खिडकी पाग

होलीखेल

चीरा पाग
सुनेरी ,रूपेरी

गोलपाग (सादी) मलमलकी

गोलपाग सुनेरी तोई

लेहरीया की गोलपाग

चुनरी की गोल पाग

फेटा
(मलमल के सादा)

एक छोर (तुर्रा)की पाग

ग्वालपाग (पगा)

दुमाला

दुमाला - वसंती
होली खेल

दुमाला - लेहरीया के

टिपारा की टोपी
(वस्त्र के टिपारा)

कुल्हे

गौकर्ण